पाठ 3

क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत

क्षेत्र पंचायत

कई गाँवों को मिलाकर एक विकासखण्ड बनता है। इसे विकास क्षेत्र (ब्लॉक) भी कहते हैं। नीचे माधोपुर विकासखण्ड का मानचित्र दिया गया है। बताइये, इसमें कितने गाँवों के इलाके शामिल हैं ? \

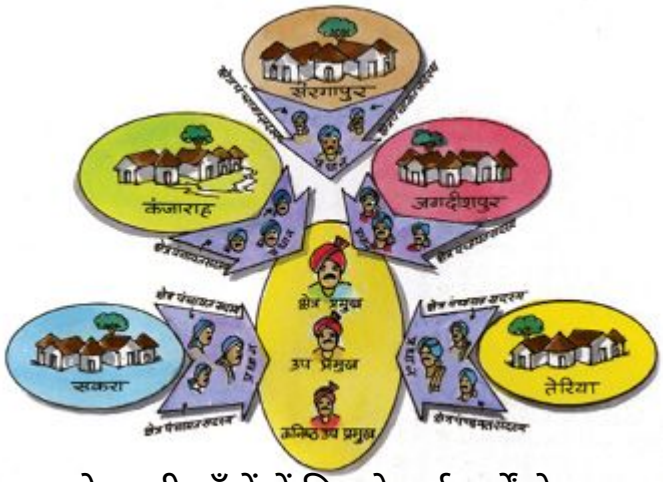

माधोपुर विकासखण्ड के सभी गाँवों में पिछले कई वर्षों से खूब काम हो रहे हैं। किसी गाँव में नया स्कूल बन रहा है तो कहीं कुआँ खुदवाया जा रहा है, पानी की लाइन बिछाई जा रही है तो कहीं गाँव की फसल जमा करने के लिए गोदाम बन रहा है। ऐसे सभी कार्यों की देख-रेख के लिए माधोपुर विकास क्षेत्र के सभी गाँवों ने मिलकर अपनी क्षेत्र पंचायत बनाई है। माधोपुर कस्बे के बीचों-बीच इसका कार्यालय है। कार्यालय के बाहर एक बड़े से बोर्ड पर लिखा है "क्षेत्र पंचायत माधोपुर"। लोग इसे 'ब्लॉक आफिस' या 'ब्लॉक का दफ्तर' भी कहते हैं। इस कार्यालय में क्षेत्र पंचायत माधोपुर के सभी सदस्य आकर बैठते और बातचीत करते हैं।

कैसे बनी क्षेत्र पंचायत

पिछले साल माधोपुर विकासखण्ड के हर गाँव में प्रधान का चुनाव हुआ। 18 साल व उससे ऊपर की उम्र के हर व्यक्ति ने वोट दिया। हर गाँव में एक प्रधान तो चुना ही गया, क्षेत्र पंचायत के लिए सदस्य भी चुने गए। बधनी गाँव से दो, मनकापुर से चार व रोहितपुर से तीन क्षेत्र पंचायत सदस्य चुने गए। क्षेत्र पंचायत सदस्यों को लोग बी0डी0सी0 मेम्बर भी कहते हैं।

कुछ गाँवों से केवल महिलाएँ ही पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ सकती हैं। इन्हें 'महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें' कहा जाता है।

माधोपुर विकासखण्ड के सभी गाँवों के प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों को मिलाकर 'क्षेत्र पंचायत माधोपुर' बनी है।

इस क्षेत्र के सांसद और विधायक भी माधोपुर क्षेत्र पंचायत के सदस्य हैं।

क्षेत्र पंचायत के सभी सदस्यों ने अपने बीच में से एक 'पंचायत-प्रमुख' चुना है। इनका नाम शान्ति देवी है। शान्ति देवी पंचायत की बैठकों में सभा का संचालन करती हैं। उन्हें लोग 'ब्लॉक प्रमुख' भी कहते हैं।

सभी पंचायत सदस्यों ने आपस में विचार-विमर्श करके एक उपप्रमुख व एक कनिष्ठ उपप्रमुख भी चुना है।

मुन्ना खाँ उपप्रमुख व बैंजामिन कनिष्ठ उपप्रमुख हैं।

मुन्ना खाँ और बैंजामिन को लोग "छोटका प्रमुख जी" कहकर पुकारते हैं।

क्षेत्र पंचायत के सदस्यों में कोई भी 21 साल से कम नहीं है, क्योंकि इससे कम उम्र का व्यक्ति पंचायत सदस्य नहीं बन सकता।

छोटी-छोटी समितियाँ

माधोपुर क्षेत्र पंचायत ने विकासखण्ड के गाँवों में हो रहे कार्यों की देख-रेख के लिए कई समितियाँ बना लीं हैं। जैसे-

(अ)क्षेत्र की निर्माण समिति- क्षेत्र के गाँवों में बन रही इमारतों पर नजर रखती है। उसके रख-रखाव का ध्यान रखती है।

(ब)क्षेत्र की जल समिति- सभी गाँवों में पानी का बन्दोबस्त देखती है। यदि किसी गाँव में पीने का पानी नहीं मिल रहा हो तो वहाँ हैण्डपम्प लगाने या पानी की लाइन बिछाने के लिये क्षेत्र पंचायत को राय देती है।

(स)क्षेत्र की शिक्षा समिति- स्कूलों में जाकर उनकी समस्याओं की जानकारी लेती है।

इसी प्रकार क्षेत्र में बीमारियों की रोकथाम व लोगों के स्वास्थ्य की देख-भाल के लिये 'क्षेत्र स्वास्थ्य रक्षा समिति' बनाई गई है।

हर एक समिति में सदस्यों की संख्या 10 से 15 तक होती है।

अपने क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत बनी समितियों के नाम लिखिए।

क्षेत्र पंचायत के काम

माधोपुर क्षेत्र पंचायत ने पिछले साल अपने ब्लॉक (क्षेत्र) में निम्नलिखित काम करवाए-

कंजाराह गाँव में एक खाद व बीज केन्द्र खुलवाया। यहाँ से गाँवों के किसान सस्ते दामों पर नये बीज और खाद ले जाते हैं।

सिकरा गाँव से कंजाराह तक 2 कि.मी. पक्की सड़क बनवाई। जिसकी लागत लगभग 15 लाख आई।

क्षेत्र पंचायत ने विकास खण्ड के सभी ऐसे गाँवों में जहाँ पशु अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल नहीं थे, बनवाने का निर्णय लिया।

क्षेत्र के सभी गाँवों के कार्यों पर कड़ी निगरानी रखते हैं।

बच्चों ! आपकी क्षेत्र पंचायत क्या-क्या कार्य करती है, लिखिए।

पंचायत ने ठेकेदार से दुबारा पुलिया बनवाई

जुलाई का महीना था। रविवार का दिन। तेज वर्षा हो रही थी। अचानक जगदीशपुर गाँव की पुलिया का एक हिस्सा टूट कर गिर पड़ा। उस दिन किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ।

अगले दिन सुबह गाँव के सब लोग पुलिया पर जमा हो गए। सब लोग आपस में बातें करने लगे। "आखिर पुलिया क्यों टूट गई ? इसी गर्मी में तो ठेकेदार ने उसे बनवाया था।" ठेकेदार दूसरे गाँव कंजाराह का था। जगदीशपुर के प्रधान ने उसे बुलवाया, वह नहीं आया। अब गाँव के लोग जुलूस बनाकर क्षेत्र पंचायत के दफ्तर पहुँचे। सभी ने प्रमुख घनश्याम सिंह से शिकायत की। घनश्याम सिंह ने निर्माण समिति के सदस्यों से कहा कि जाकर पुलिया देख आएँ। निर्माण समिति के लोगों ने जाकर टूटी हुई पुलिया देखी। पता लगा कि टूटे हुए हिस्से में सीमेन्ट और लोहा (सरिया) बहुत कम लगाया गया है। इसी कारण पुलिया टूटी।

क्षेत्र प्रमुख घनश्याम सिंह ने कंजाराह की ग्राम पंचायत से कहा कि वह गाँव के ठेकेदार को पंचायत में बुलाएँ। अब ठेकेदार को क्षेत्र-पंचायत के दफ्तर में आना पड़ा। पंचायत सदस्यों ने उससे जमकर पूछताछ की। उसे कड़ी फटकार भी लगाई। कुछ लोगों ने राय दी कि ठेकेदार के खिलाफ थाने में शिकायत (रिपोर्ट) लिखवाओ। ठेकेदार डरकर माफी माँगने लगा। उसने माना कि जो पुलिया टूटी है उसमें सीमेन्ट और सरिया बहुत कम लगाई गयी है। तब पंचायत ने तय किया कि ठेकेदार दुबारा अपने रुपयों से पुलिया बनवाए, वरना मामला पुलिस को दे दिया जाएगा।

ठेकेदार मान गया और उसने दुबारा मजबूत और पक्की पुलिया बनवाई।

क्षेत्र पंचायत की आमदनी

क्षेत्र पंचायत माधोपुर को अपने कामों के लिए धन कहाँ से मिलता है ?

करों से आया हुआ और सरकार से मिला धन बैंक में क्षेत्र पंचायत के खाते में जमा कर दिया जाता है।

पाँच साल काम करेगी पंचायत

क्षेत्र पंचायत की प्रमुख शान्तिदेवी सभी सदस्यों से कहती हैं कि 'उन' सबको पाँच साल के लिए चुना गया है। यदि वे अपने क्षेत्र के गाँवों के लिये ईमानदारी और मेहनत से काम नहीं करेंगे तो लोग उन्हें अगले पंचायत चुनाव में वोट नहीं देंगे।

माधोपुर क्षेत्र पंचायत का काम पूरा करने के लिये सरकार ने पंचायत के दफ्तर में कुछ कर्मचारी व अधिकारी रखे हैं इनमें सबसे बड़े अधिकारी को लोग खण्ड विकास अधिकारी या बी0डी0ओ0 भी कहते हैं। रामराज सिंह माधोपुर के खण्ड विकास अधिकारी हैं। वे क्षेत्र प्रमुख के सचिव के रूप में काम करते हैं।

उत्तर प्रदेश में माधोपुर की तरह सैकड़ों क्षेत्र पंचायतें हैं। सभी का गठन माधोपुर क्षेत्र पंचायत की तरह होता है। ये सभी पंचायतें लगभग माधोपुर की तरह काम भी करती हैं। कई विकासखण्डों में क्षेत्र प्रमुख के पद महिलाओं, अनुसूचित जाति या पिछड़ी जाति के लोगों के लिए आरक्षित रहते हैं।

जिला पंचायत

विकेन्द्रीकृत पंचायती राज व्यवस्था के अन्तर्गत जिस तरह हर गाँव में ग्राम पंचायत व हर विकासखण्ड में एक क्षेत्र पंचायत काम करती है, उसी तरह उत्तर प्रदेश के हर जिले (जनपद) में जिला पंचायत काम करती है। जिले की सभी क्षेत्र पंचायतों को मिलाकर जिला पंचायत बनती है।

जिला पंचायत के सदस्य

- क्षेत्र पंचायत के सभी प्रमुख जिला पंचायतों के सदस्य होते हैं।
- जिले के सांसद व विधायक भी जिला पंचायत के सदस्य होते हैं।

□जिला पंचायत के सदस्य अपने बीच में से एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष चुनते हैं।

□जिले का मुख्य विकास अधिकारी (सी0डी0ओ0) जिला पंचायत का सचिव होता है।

चुनाव की प्रक्रिया

□जिला पंचायत के सदस्य भी पाँच साल के लिये चुने जाते हैं।

□21 वर्ष से कम उम्र का व्यक्ति जिला पंचायत का सदस्य नहीं बन सकता।

□कुछ जिला पंचायतों में अध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए ही छोड़ा गया है, ये महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें हैं। इन पर पुरुष चुनाव नहीं लड़ सकते। जिला पंचायत की एक बैठक तीन महीने में जरूर होनी चाहिए, ऐसा नियम है।

जिला पंचायत के कार्य

□विकासखण्ड का काम-काज देखने के लिए जिला पंचायत अपने सदस्यों की छोटी-छोटी समितियाँ बनाती है। जैसे शिक्षा समिति, सिंचाई व्यवस्था समिति, पशु-पालन समिति, भूमि विकास समिति आदि।

□ये समितियाँ जिले के पशु-पालन, सिंचाई, खेती व जमीनों की देख-भाल का काम करती हैं।

□क्षेत्र पंचायत के कामों का जिला पंचायत पर्यवेक्षण (देख-रेख) भी करती है।

□तीन स्तरीय पंचायत व्यवस्था में हमने देखा कि ग्राम, विकासखण्ड व जिला स्तर पर पंचायत व्यवस्था कायम है। तीनों स्तरों पर प्रतिनिधियों की चुनाव प्रक्रिया, आय के स्रोत एवं कार्य लगभग एक जैसे ही हैं।

आमदनी

□जिला पंचायत जिले की जमीनों पर कर लगाती है। मेलों तथा बाजारों में दुकानों का लाइसेंस देकर फीस वसूलती है, इसके अलावा उसे सरकार से भी धन मिलता है।

□इनमें अंतर मुख्यतः भौगोलिक क्षेत्रफल, प्राप्त धनराशि का योग, कार्यों का मूल्य व समस्याओं को सुलझाने की क्षमता में है। सबसे छोटे क्षेत्र व छोटी समस्याओं के लिए ग्राम पंचायत भी है और अधिक जटिल समस्याओं के लिए जिला पंचायत।

इस पूरी व्यवस्था को हम विकेन्द्रीकृत पंचायती राज कहते हैं।

अभ्यास

1. दिए गए कथनों में जो सही हों उनके आगे सही और जो कथन गलत हों उनके आगे गलत का चिह्न लगाइए-

स एक ग्राम सभा के लिए एक क्षेत्र पंचायत बनाई जाती है। ( ) स सांसद और विधायक क्षेत्र पंचायत के सदस्य होते हैं। ( )

स क्षेत्र पंचायत का प्रमुख ब्लॉक प्रमुख होता है। ( )

स क्षेत्र पंचायतों के सदस्य मिलकर अपना एक ग्राम प्रधान चुनते हैं। ( )

2. अपने मित्रों और शिक्षक से बातचीत करके उत्तर दीजिए-

स अपने आस-पास की पाँच ग्राम सभाओं के नाम लिखिए।

स अपने पड़ोस के दो विकासखण्ड या क्षेत्र पंचायतों के नाम लिखिए।

आपके विकासखण्ड या क्षेत्र पंचायत का दफ्तर/आॅफिस कहाँ पर है ? उस स्थान का नाम लिखिए।

3. अपने शिक्षक से यह पूछिए या इस पर चर्चा कीजिए कि महिलाओं, पिछड़ी जाति और अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आरक्षण क्यों जरूरी है ?

प्रोजेक्ट वर्क

स यदि आपके गाँव में क्षेत्र पंचायत ने कोई कार्य कराया है तो उसका पता लगाइए और उस काम के बारे में कुछ बातें लिखिए।

स क्षेत्र स्वास्थ्य रक्षा समिति आपके स्वास्थ्य के लिए क्या-क्या करती है, इसकी सूची बनाइए।